राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT उदयपुर

हवामहल

बच्चों का झरोखा

22 जून 2024 । शनिवार । वर्ष : 4 । अंक : 217

आज की कविता

स्कूल के लिए तैयारी

3 + वर्ष के बच्चों के लिए | **Infobells**

मुनिया को मालूम है स्कूल के लिए सुबह जल्दी उठना है । सुबह उठकर तैयार होना है और स्कूल के लिए चलना है। स्कूल में सब उसका इंतजार कर रहे हैं। पर सुबह कैसे उठे ? उसे कौन उठाएगा सुबह ? स्कूल जाकर वह क्या करने वाली है ? इन सब बातों का पता चलेगा इस मजेदार कविता में । कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

आज की कहानी

रंग बिरंगा खजाना

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | **BookBox**

बच्चों के बीच एक रोज दीदी आयीं और रंग बिरंगा खजाना लायीं। बच्चे उसमें से शेर-भालू, मोर-कोयल और दुनिया भर की मजेदार कहानियाँ सुनते और खुद से भी पढ़ते। लेकिन कुछ दिन दीदी नहीं आयीं । बच्चे इंतजार करते रहे फिर वे दीदी को ढूँढने निकले। क्या वे दीदी का घर ढूंढ पाए ? क्या उन्हें कहानियाँ फिर सुनने को मिलीं ? जानने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

आज की किताब

हाथी और चींटी

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | **Room to Read**

हाथी को देखकर नन्हीं चींटी को लगता है कि काश वह भी हाथी की तरह होती। जब हाथी ने फूँका तो जंगल में आँधी आ गई लेकिन जब चींटी ने वैसा ही किया तो एक पत्ती तक न हिली। हाथी रोया तो नदी बह गई लेकिन जब चींटी रोई तो एक बूँद तक न गिरी। क्या चींटी कुछ ऐसा भी कर सकती है जो हाथी नहीं कर सकता ? कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

आज की गतिविधि

कप पर नाचती गुड़िया

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | **Arvindguptatoys**

रस्सी पर चलता बंदर, खंभे से उतरता चढ़ता कठफोड़वा , धागे के सहारे ऊपर जाता कछुआ तो आपने देखा और बनाया भी होगा । आज हम कप के ऊपर नाचती गुड़िया बनाना सीखेंगे । इसके लिए आपको एक प्लास्टिक डिस्पोज़बल गिलास, एक कागज की गुड़िया और टेप चाहिए बस। बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

टीचर्स कॉर्नर

प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा

शिक्षकों के लिए | **Learning Curve**

अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, शिक्षा की न सिर्फ पहली सीढ़ी है बल्कि उसका एक महत्वपूर्ण आधार भी है। वनिता कौल का यह आलेख ईसीसीई की अवधारणा, उसके उद्देश्य, प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा की वर्तमान स्थिति और भारत में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में इसके निहितार्थों पर चर्चा करता है। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें

हमारा पुस्तकालय

'स्कूल में ताता'

शिक्षकों के लिए | **Parag**

स्कूल हमारी संस्कृति का ही एक हिस्सा है। समाज का ऐसा उपक्रम जो समाजीकरण के लिए जरूरी मौके, साधन और वातावरण उपलब्ध कराता है। किताब 'स्कूल में ताता' इस द्वन्द्व को उभारती हुई ऐसी किताब है जो बच्चे के मनोविज्ञान को आधार बनाकर इस विषय पर बात करती है कि हमारे बड़े- बूढ़े बुजुर्ग आउट डेटेड हैं, पिछड़े हैं और अब अप्रासंगिक हो गए हैं? पढ़ते है किताब की समीक्षा पर यह ब्लॉग।

#सबपढ़े #सबबढ़े

आज का अंक आपको कैसा लगा ? आपके सुझावों से अवगत कराने के लिए नीचे दी गई सुझाव पेटी पर क्लिक करें |

साथियों, हवामहल का 217वां अंक आपके साथ साझा किया जा रहा है । आशा है इसके पाठको की अपेक्षाओं पर यह खरा उतरेगा । अगले सप्ताह प्रसारित होने वाले अंक के लिए आप सभी से निवेदन है कि अपनी रचनाएँ बायीं और दी गई सूझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक कर भेजें । धन्यवाद ।

आज की ऑडियो कहानी सुनने के लिए ऑडियो आइकन पर क्लिक करें |

हवामहल के सभी अंको को प्राप्त करने के लिए QR कोड SCAN करें |